

To  
The Board of Studies,  
S.D.Mahila Mahavidyalya,  
Narwana.

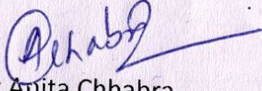
**Sub: Approval for “हरियाणवी संस्कृति में सांग, लोकगीत एवं रागनी” Certificate course..**

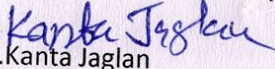
Respected Madam,

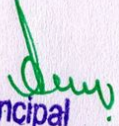
We want to start a certified offline course “हरियाणवी संस्कृति में सांग, लोकगीत एवं रागनी”(30 Hours) in our campus. A Certificate is an education goal for many students who want to improve their visibility among aggressive job applications. Certificates may help to provide students with increased skills and experience. Syllabus of “हरियाणवी संस्कृति में सांग, लोकगीत एवं रागनी” is attached with this application. Please kindly approve this certified course. We shall be thankful to you for this.

Enclosed: Syllabus of the Certificate Course.

Yours Faithfully

  
Dr. Anita Chhabra  
Asstt. Prof. of Hindi.

  
Ms. Kanta Jaglan  
Asstt. Prof. of Hindi

  
Principal  
S.D. Mahila Mahavidyalya  
Narwana



.....  
Ms. Anita Chhabra  
Asst Prof of Hindi

Ms. Kanta Jaglan  
Asst. Prof. of Hindi

Subject: Approval for "हरियाणवी संस्कृति में सांग, लोकगीत एवं रागिनी" by the Board of Studies

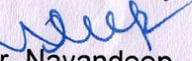
Dear Ms Anita Chhabra & Kanta Jaglan,

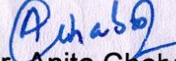
I am pleased to inform you that after careful consideration and review by the Board of Studies, has approved "हरियाणवी संस्कृति में सांग, लोकगीत एवं रागिनी" which spans over 30+ hours of instruction.

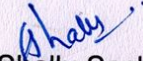
This course has been evaluated thoroughly to ensure its alignment with our institution's academic standards and objectives. We believe that it will significantly contribute to the academic enrichment of our students and align with our commitment to providing high-quality education.

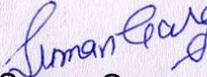
Thank you for your interest and support in our academic endeavors.


Yours sincerely,

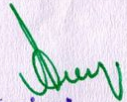
  
Dr. Nayandeeep  
Assc. Prof. in Eco.  
Convener

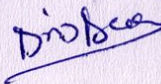
  
Dr. Anita Chhabra  
Asst. Prof. in Hindi  
Member

  
Dr. Shailu Sachdeva  
Asst. Prof. in Hist.  
Member

  
Suman Garg  
Asst. Prof. in Eng.  
Member

  
Nisha  
Asst. Prof. in Physics  
Member

  
Principal  
S.D. Mahila Mahavidyalaya  
Marwara





सनातन धर्म महिला महाविद्यालय  
नरवाना (जींद)



के  
हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित  
सर्टिफिकेट कोर्स

हरियाणवी संस्कृति में सांग  
लोकगीत एवं रागनी

प्रमाणपत्र: कोर्स समापन पर सफलतापूर्वक प्राप्त प्रतिभागियों को  
प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

दिनांक - 05-04 -2022

कोर्स की अवधि -30 घण्टे

डॉ अनीता छाबड़ा  
संयोजिका

सुश्री कांता जागलान  
सह -संयोजिका

डॉ अंजना लोहान  
प्राचार्या

E-mail : sdmmnrw@gmail.com  
www. sdmmnarwana.com

01684 240161  
241933



# S.D. Mahila Mahavidyalaya

Narwana - 126116 (Jind) Haryana

Accredited by NAAC with Grade 'B'

Affiliated to Ch. Ranbir Singh University, Jind

Sr. No.

Dated 01/04/22.....

B. A. की छात्राओं को सूचित किया जाता है कि  
द्विी विभाग द्वारा 30 घंटे का सर्टिफिकेट कोर्स  
करवाया जाएगा। जिसका विषय "हरियाणवी संस्कृति  
में सोंग, लोकगीत एवं रागनी" है। यह कोर्स  
05/04/22 से 24/04/22 तक रहेगा। इच्छुक छात्राएँ  
कोला भागलान के पास नाम लिखवाएँ।

*(Signature)*

*(Signature)*  
Principal  
S.D. Mahila Mahavidyalaya  
Narwana

*(Signature)*

**Certificate Course**

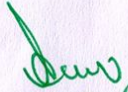
**विषय :- हरियाणवी संस्कृति में सांग, लोकगीत एवं रागनी**

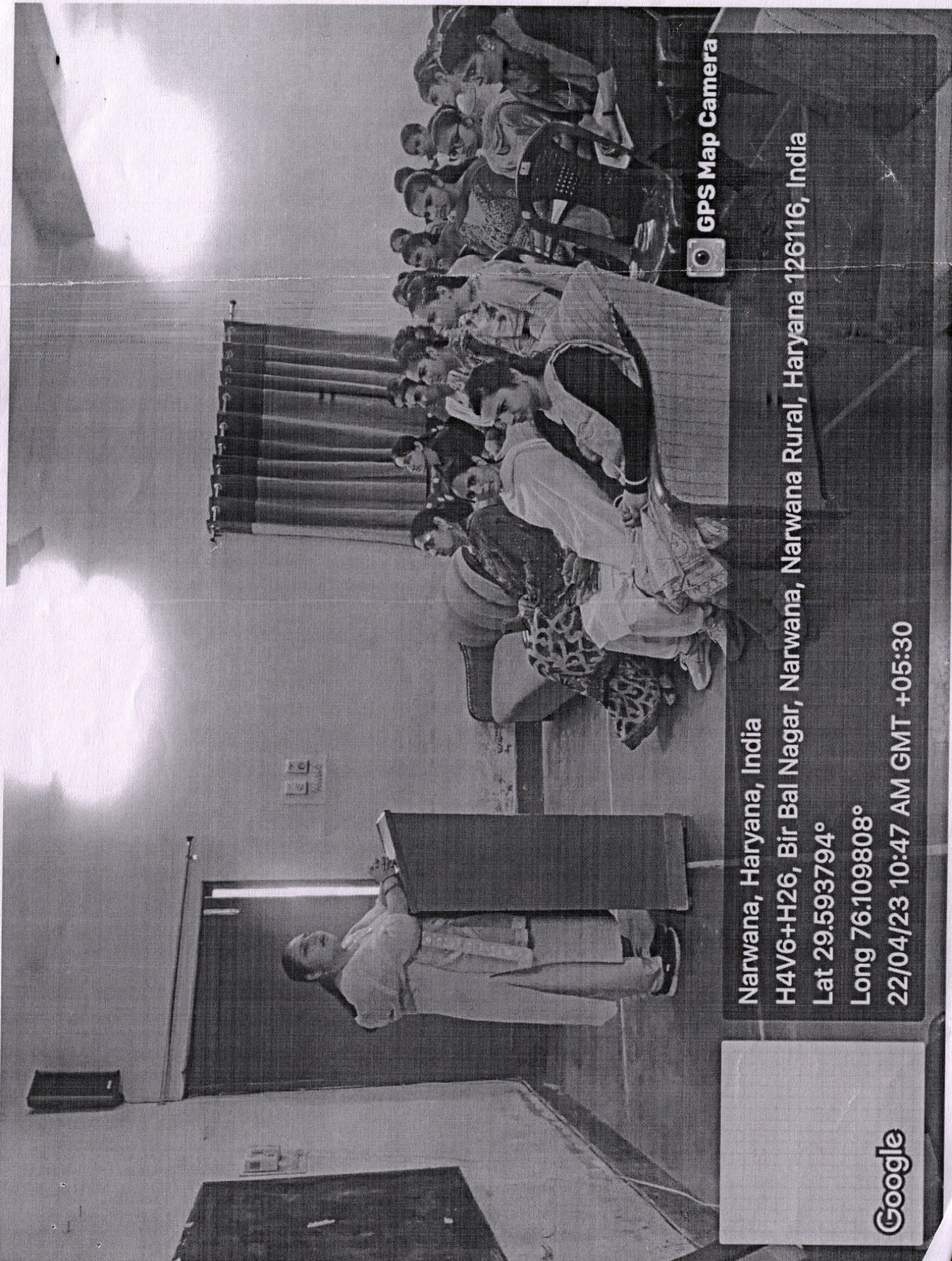
समयावधि : 30 घंटे

सांग विधा, सांग लोकनाट्य	Unit 1
हरियाणा के प्रमुख सांगी, हरियाणा की सांग रचनाएँ	Unit 2
रागनी, रागनी के प्रकार	Unit 3
लोकगीत, लोक गीतों का महत्व	Unit 4

**लोक विधा के उद्देश्य एवं महत्व:-**

- भविष्य में रोजगार में सहायक।
- बच्चों में लोक कला एवं कौशल का विकास ।
- मानसिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास ।
- लोक नाट्य सांग विधा का संरक्षण एवं विकास ।
- जीवन मूल्यों की जानकारी देना ।

  
Principal  
S.D. Mahila Mahavidyalaya  
NARWANA



GPS Map Camera

Narwana, Haryana, India

H4V6+H26, Bir Bal Nagar, Narwana, Narwana Rural, Haryana 126116, India

Lat 29.593794°

Long 76.109808°

22/04/23 10:47 AM GMT +05:30



S.D. MAHILA MAHAVIDYALYA, NARWANA  
PARTICIPANT ATTENDANCE SHEET - B.A.

FROM 05.04.22 TO 24.04.22

हरियाणवी संस्कृति में सांग, लोकगीत एवं रागनी हिंदी विभाग

Sr.No.	Student Name	College Roll No.	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	
1	ANJU	3288220097	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
2	JYOTI	63	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
3	REENU	69	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
4	POOJA	64	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
5	MONIKA	9	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
6	POOJA	158	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
7	RITU	161	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
8	ANKITA	160	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
9	MONIKA	247	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
10	PREETI	248	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
11	MANJEET	65	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
12	SONIA	140	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
13	MANU	198	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
14	MANJEET	176	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
15	KUSUM	257	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
16	POONAM	187	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
17	MAMTA	29	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
18	AMAN	19	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
19	SUMAN	233	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
20	PREETI	2	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
21	KHUSBHU	57	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
22	MANISHA	220	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
23	POOJA	6	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
24	NEHA	38	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
25	MANISHA	225	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
26	MONIKA	5	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
27	PARVEEN	25	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
28	NISHA	90	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
29	AARTI	120	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P
30	DIVA	173	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P	P

Principal  
S.D. Mahila Mahavidyalya  
NARWANA

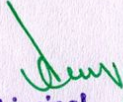
हरियाणवी संस्कृति में सांग, लोकगीत एवं रागनीसमयावधि

1 ½ घण्टे

M.M. 50

सत्र 2022-23

- 1 सांग विधा का सांस्कृतिक महत्व बताए?
- 2 हरियाणा के प्रमुख सांगियों का परिचय दे?
- 3 सांग का प्राचीन इतिहास बताएँ । 10 x 3 = 30
- 4 हरियाणा के सांग मंचन पर प्रकाश डाले ।
- 5 हरियाणा के प्रमुख लोक गीतों का वर्णन करे?
- 6 पण्डित लखमी चंद के दो सांग का वर्णन करो।
- 7 मांगे राम के दो सांगो का वर्णन करे । 5 x 4 = 20

  
Principal  
S.D. Mahila Mahavidyalya  
NARWANA



# S.D. MAHILA MAHAVIDYALYA, NARWANA

Roll No. 328822010 Class..... B.A. Sec. ....

Subject.....

Date..... 24/4/22

Signature.....

(1) सांग विद्या की परम्परा :- उत्सव के आचार पर भारतीय समाज में अनेक में से दरियावासी व उत्तर प्रदेश भाषा की एक प्रसिद्ध लोक कला है सांस्कृतिक व धार्मिक लोक कलाएँ प्रचलित हैं सांग भी उनकी कलाओं में एक है जो दरियावासी व उत्तर प्रदेश की नहीं बल्कि सभी भारतीय क्षेत्रों में भी लोकप्रियता के साथ प्रचलित है सांग एक रचना संगीत और नृत्य का अगुआ कला संगम है जिस तरह भावण भास की समीत और फाल्गुन मौसम की महक जनमानस में तर्ंगें पैदा करती है ठीक उसी तरह सांगों का संगीत भी मन और आत्मा पैदा करता है इस विद्या में सांग और रागिनी कला को अभिव्यक्ति देने के साथ-साथ जनसमुदाय का एक मनोरंजन का स्थापन भी है

समाज के किसी भी वर्ग में चाहे धनी हो या गँवाले, उच्च ककीर सभी वर्गों का सांग मंच की मानवदृष्टिक मानकर समानभूती का स्थापन करते हैं।

मूल रूप से सांग, शब्द का शारिदिक अर्थ देना है।

(2)

हम देशी भाषा में हम साँगा कंत रहे  
लोकन से हिन्दी में संगीत का स्वरों का  
जाता है जिसका अर्थ होता है आधुनिक  
रूप में यह किस्ती या अन्य किस्ती  
रूप में नकल करना / नोटों का  
हिम हरियाणा में स्वस्त प्रचलित है  
और हरियाणा के राघ - राघ में  
साम राजस्थान वही उत्तर प्रदेश में  
काफी प्रचलित है हरियाणा में स्वस्त  
बडा संगीत अथार हम किस्ती का कद  
स्वर्क है ना वाद है है पांडित लखमीचन्द  
कनम से हरियाणा के सुर्य कवि का  
जाता है और सुन्दर सांग सम्राट आदि की  
कहा जाता है, य हरियाणा में प्रासिद्ध  
माना जाता है।  
सुर्य प्रकार से गोवर्धन स्तवता के  
स्वरांग ही कृष्ण लीला स्तवरा, महाभारत  
सिंह य ही बजात है।

6

(4)

द्विधायाणा म लोके मंस को स्वांग के समान माना है 'स्वांग' शब्द स्वांग शब्द बना है 'स्वांग' शब्द की संस्कृतिक शब्द का जीवन का दर्शन है। यहाँ का पर्याय है 'स्वांग' दिसाणा की सांस्कृति के जीवन का दर्पण है। यहाँ के निवासियों के सामाजिक और नैतिक मूल्य, लोक, जीवन और वीरता और प्रेम की कहे-नियों, श्रुत - खल्लिदान, कान - पुण्य और आतिथ्य, स्वीकार के भाव, आभिव्यक्ति करता है, स्वांग - संगीत, और नृत्य का कला का करता है।

5  
मनाइजने के शताब्दी से पूर्व सामाजिक और नकल के साधन थे - मधुखी और नकल / सम्पन्न परिवार में विवाह आदि के उपकार पर था। कार्यक्रम होता है। मधुखी के लिए नृत्यगार आती थी और नकल के लिए नकलिस व नकाल का बुलाया जाता है वा आपन - अपने तरीका से नृत्यावनाइजी व नकल का हैय की दृष्टि से देखा जाता है।

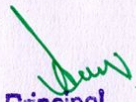
6) हरियाणा के कल्लुकार प्रेम से उन्हें द्वारा दादा लखमीचन्द कहते हैं। लखमीचंद ने त्याग के पर्याय यहि माने वाले राजा हरिश्चन्द्र प्रसन्नानिया का किस्से के तौर पर प्रियकर है और उन पर रागनिया की रचना की और गाथा कस्तक अलावा उन्होंने भारत में वर्णित नल दमयंती के किस्से का भी रागनी के जरिख जन - जन तक पहुंचाया। गही नहीं, नही, भारतीय पौराणिक साहित्य में अहम स्थान रखने वाले बुल्यवान और सावित्री के प्रेम की कहानी है।

पंडित लखमीचंद की रागनियां और सांग खारस संवादप्रदक ही आम लोगों तक पहुंचने का प छोड़ी है। वह वास्तव में शोष का विषय है। किन्तु प्रकार रसक लोक कला जन-संघ के कठ में बस जाती है। कस्तका लखमीचन्द की रचनाओं आभितम उदाहरण है। उनकी संवादप्रकता हरियाणवी भाषा क्षेत्र में उनके प्रभाव और समाज में उनकी गहरी पहुँच और तौर पर शौच पर विषय है।

W

**B.A II YEAR SESSION 2022-23****हरियाणवी संस्कृति में सांग, लोकगीत एवं रागनी M.M.50**

Sr.No.	Student Name	College Roll No.	Marks
1	ANJU	3288220097	40
2	JYOTI	63	45
3	REENU	69	42
4	POOJA	64	40
5	MONIKA	9	45
6	POOJA	158	35
7	RITU	161	40
8	ANKITA	160	47
9	MONIKA	247	48
10	PREETI	248	40
11	MANJEET	65	37
12	SONIA	140	40
13	MANU	198	45
14	MANJEET	176	45
15	KUSUM	257	40
16	POONAM	187	46
17	MAMTA	29	45
18	AMAN	19	42
19	SUMAN	233	40
20	PREETI	2	43
21	KHUSBHU	57	45
22	MANISHA	220	46
23	POOJA	6	46
24	NEHA	38	46
25	MANISHA	225	40
26	MONIKA	5	45
27	PARVEEN	25	40
28	NISHA	90	45
29	AARTI	120	40
30	DIVYA	173	45

  
Principal  
S.D. Mahila Mahavidyalaya  
NARWANA

# S.D. MAHILA MAHAVIDYALYA

NARWANA (JIND)

(AFFILIATED TO CH. RANBIR SINGH UNIVERSITY, JIND)



## प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा ANJU रोल नं 3288220097 ने हिंदी विभाग द्वारा 'हरियाणवी संस्कृति में सांग, लोकगीत एवं रागनी' विषय में 30 घंटे की अवधि का 'सर्टिफिकेट कोर्स' उत्तीर्ण किया है। हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। :-

अनीता राणी

डॉ अनीता रानी  
संयोजिका

सुश्री कांता जागलान

सुश्री कांता जागलान  
सहसंयोजिका

डॉ अजना लोहान

डॉ अजना लोहान  
प्राचार्या

Principal  
S.D. Mahila Mahavidyalya  
NARWANA

# S.D. MAHILA MAHAVIDYALYA

NARWANA (JIND)

(AFFILIATED TO CH. RANBIR SINGH UNIVERSITY, JIND)



## प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा JYOTI रोल नं 3288220063 ने हिंदी विभाग द्वारा 'हरियाणवी संस्कृति में सांग, लोकगीत एवं रागनी' विषय में 30 घंटे की अवधि का 'सर्टिफिकेट कोर्स' उत्तीर्ण किया है। हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

अनीता रानी

डॉ अनीता रानी  
संयोजिका

कांता जागलान

सुश्री कांता जागलान  
सहसंयोजिका

अंजना लोहान

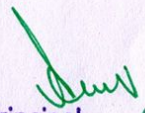
Principal  
S.D. Mahila Mahavidyalya  
NARWANA

अंजना लोहान

डॉ अंजना लोहान  
प्राचार्या

## रिपोर्ट

सनातन धर्म महिला महाविद्यालय में 24/04/2022 को हिन्दी विभाग द्वारा सर्टिफिकेट कोर्स का समापन कराया गया। कोर्स का नाम "हरियाणवी संस्कृति में सांग लोकगीत एवं रागनी" था। इस कोर्स का आरम्भ 05/04/22 को कराया गया। इस कोर्स की अवधि 30 घंटे की है। हिन्दी विभाग की प्रवक्ता डॉ० अनीता दाबड़ा व कांगा जगज्वान ने विद्यार्थियों को हरियाणवी संस्कृति का परिचय देते हुए सांग व रागनी के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ० अंजना लोहान ने भी छात्राओं को मार्गदर्शन किया। कोर्स के समापन पर छात्राओं को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

  
Principal  
S.D. Mahila Mahavidyalaya  
NARWANA



झुकाकर अपने परिवार की  
ए सौरव, मीनू शर्मा, दिनेश,  
मस्त ग्रामवासी मौजूद रहे।

करने की निंदा की



निंदा करते बस संचालक।

निजी बस के चालक से  
ट्रान्सपोर्ट सोसायटीज बस  
अध्यक्षता में बैठक हुई।  
निंदा प्रस्ताव पास किया  
नरवाना के लिए प्राइवेट  
चल गई थी। लेकिन बाद  
र रोडवेज बस चालक-  
थापाई की गई। उन्होंने  
परिचालकों को परेशान  
डा, सुशील, सुरेश, सुरेंद्र  
नैन आदि मौजूद थे।

पाया प्रथम स्थान



तराका स पानी का उपयोग करते ह।  
वास्तव में पानी के बिना हमारे दिन

70 प्रतिशत  
हुआ है, लेकिन यह

## सर्टिफिकेट कोर्स के लिए हुई परीक्षा में छात्राएं हुई उत्तीर्ण

नरवाना (मनदीप) : एसडी  
महिला कालेज के हिंदी विभाग व संगीत  
विभाग के संयुक्त तत्वाधान में चलाए  
जा रहे सर्टिफिकेट कोर्स हरियाणवी  
संस्कृति में सांग, लोकगीत एवं रागनी  
परिचय एवं प्रशिक्षण संपन्न हुआ। कोर्स  
से संबंधित प्रश्न पूछे गए परीक्षा में सभी  
छात्राएं उत्तीर्ण हुईं।

प्राचार्या डा. अंजना लोहान ने  
सर्टिफिकेट प्राप्त करने वाली छात्राओं  
को कहा कि आपके पाठ्यक्रम के साथ-  
साथ इस तरह के सर्टिफिकेट कोर्स का  
बहुत फायदा होता है। उन्होंने भविष्य  
में भी छात्राओं के विकास हेतु इस तरह  
के कोर्सेज करवाये जाने का आह्वान  
किया, ताकि छात्राओं का सर्वांगीण  
विकास हो सके। इस अवसर पर डा.  
अनीता छबड़ा, रुकमणी सैनी, जसबीर  
उझाना आदि मौजूद रहे।

## अखिल साहित्य

जींद, 11 जून (न)  
भारतीय साहित्य परि  
जाट कालेज के प्राग  
साहित्यकार अध  
शुरूआत की गई। अ  
के कई राज्यों के वि  
काम करने वाले स  
हुए। सभी साहित्यक  
महाविद्यालय प्राचार  
तथा जींद इकाई अ  
द्वारा पुष्पमाला, अं  
साहित्य प्रदान कर  
तिलक के साथ कि  
के स्वागत के लिए  
को हरियाणवी सा  
सजाया गया है।  
आयोजन व  
सरस्वती की प्रति  
अतिथियों द्वारा दी

Principal  
S.D. Mahila Mahavidyalya  
NARWANA

# जीवन में जल की